Prospects of Wheat Crop

2664. SHRI AKHILESH DAS: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether shortage of fertilizers and delay in supply thereof, particularly that of DPA and seeds to farmers following the unseasonal rains in Haryana. Punjab, UP and Bihar, have hit the prospects of good wheat crops this year; and

(b) if so, the likely shortfall in yield this year as compared to that in the preceding two years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) and (b) There has been, by and large, sufficient availability of fertilizers and seeds during 1998-99 which, interalia, contributed to an all-time record production of wheat in the country. However, pockets of shortages of DAP had been reported from the States of Haryana, Madhya Pradesh, Punjab, Rajasthan and Uttar Pradesh mainly due to bunching of imports during the months of October-November, 1998 and increase in demand as a result of increase in area under cultivation.

The production and productivity of wheat in Bihar, Haryana, Punjab and Uttar Pradesh during 1998-99 as compared to the preceding two years are given in the statement below.

Statement

Production and Yield of Wheat in selected States during 1996-97 to 1998-99

Production—Million Tonnes
Yield—Kg./hectares.

States	Production			Yield			% change in Yield during 1998-99 over	
	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98	1998-99	1996-97	1997-98
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Bihar	46.61	41.59	46.00	2183	1999	2284	4.6	14.3
Haryana	78.26	75.54	79.23	3880	3660	3696	—4.7	1.0
Punjab	136.72	127.19	136.63	4234	3853	4101	—3.01	6.4
Uttar Pradesh	240.50	230.37	247.00	2668	2498	2676	0.3	7.1
All India	699.50	659.07	706.33	2679	2470	2628	—1.9	6.4

Public Investment in Agricultural Sectors

2665. SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the agricultural production has declined during Eighth Plan due to lack of public investment in agricultural sectors;

(b) if so, the details of amount invested and agricultural production; year-wise during Eighth plan period; and

(c) measures suggested by the Government to increase in public investment during Ninth Five Year Plan;

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) and (b) The output of agriculture sector during the Eighth Plan recorded an average annual growth of 4.0 percent. The public sector investment in agriculture also showed an increasing trend except for 1995-96 and 1996-97.

The details of agricultural production as well as public sector investment (both at 1980-81 prices) during the Eighth Plan year-wise are given below:

(Rs. in crore)

Year	GDP from Agriculture	Public sector Investment in Agriculture
1992-93	63327	1061
1993-94	65762	1153
1994-95	69206	1316
1995-96	66863	1268
1996-97	72362	1132

(c) Ninth Plan has recognised the importance of higher investment in agriculture and rural infrastructure for increasing agricultural growth. The Plan envisages to increase public investment for infrastructure like irrigation, electricity, agricultural research, roads and communications.

सूखा-ग्रस्त क्षेत्रों के लिए कार्य योजना

2666. **श्री राजूभाई ए० परमार:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के सूखा-ग्रस्त क्षेत्रों के विकास के लिए कोई कार्य योजना बनाई गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) से (ग) ग्रामीण क्षेत्र तथा रोजगार मंत्रालय सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम नामक एक दीर्घकालीक क्षेत्र विकास कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहा है ताकि सूखे से प्रभावित क्षेत्रों का विकास किया जा सके। यह कार्यक्रम एक तकनीकी समिति की सिफारिशों पर सूखा प्रभावति क्षेत्रों के रूप में अभिज्ञात किए गए 155 जिलों के 947 ब्लाकों में चलाया जा रहा है। पनधारा आधार पर 500 हैक्टेयर के औसत क्षेत्र वाली परियोजनाओं का कार्यान्वयन करके इन क्षेत्रों का एकीकृत विकास किया जाता है।

सब्जियों के बीज उत्पादन हेतु सहायता

2667. **श्री ओंकार सिंह लखावत:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजना में सब्जियों के बीज उत्पादन व वितरण हेतु निर्धारित वित्तीय व वास्तविक लक्ष्य प्राप्त कर लिये गये थे; तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) भारत सरकार द्वारा नौवीं पंचवर्षीय योजना में बीज उत्पादन व वितरण का कितना वित्तीय व वास्तविक लक्ष्य तय किया गया है; इस संबंध में वर्ष 1999-2000 के लिए निर्धारित लक्ष्य क्या है; और

(ग) राजस्थान में बीजों के उत्पादन व वितरण के लिए वर्ष 1999-2000 के लिए निर्धारित लक्ष्य क्या है तथा इस उद्देश्य के लिए कितनी राशि आवंटित करने का प्रस्ताव है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) और (ख) विभिन्न फसलों, जिनमें सब्जी-फसलें शामिल हैं, के बीजों के उत्पादन और वितरण की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की है। इसलिए, भारत सरकार विभिन्न फसलों, जिनमें सब्जी की फसलें शामिल हैं, के उत्पादन और वितरण के लिये कोई वित्तीय तथा भौतिक लक्ष्य निर्धारित नहीं करती है।

सब्जी बीज फसलों के प्रमाणीकरण के तहत उपलब्धता और क्षेत्र में वृद्धि करने के लिये 1995-96 में महत्वपूर्ण चयनित सब्जी फसलों के प्रमाणित बीज उत्पादन को सरल व कारगर बनाने के लिये एक केन्द्रीय क्षेत्रीय स्कीम आरंभ की गई थी। 1998-99 से इस स्कीम में आधारी बीज उत्पादन तथा सब्जी बीजों के प्रसंस्करण और पैकेजिंग के लिये बुनियादी ढांचे की सुविधाओं के सृजन के घटक शामिल करके इसे सुधारा गया है। इस स्कीम के प्रावधानों के अनुसार, राज्य सरकारों को अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करनी पड़ती है जिसमें भौतिक और वित्तीय लक्ष्य देने होते हैं, ताकि तदनुसार धन निर्मुक्त किया जा सके। भारत सरकार इस स्कीम के कार्यान्वयन के लिये प्रशासनिक अनुमोदन जारी करने के लिये सैद्धांतिक, भौतिक और वित्तीय लक्ष्य